INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VI(2nd lang.)	Department: Hindi	
पाठ -6 हार की जीत	Topic -प्रश्नोत्तर तथा व्याकरण भाग	Note: Pl. write in your note book.

पाठ -6 हार की जीत

मेरी समझ से

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1-घोड़ा देखकर किसको बड़ा आनंद आता था ?

उत्तर - घोड़ा देखकर बाबा भारती को बड़ा आनंद आता था ।

प्रश्न 2- घोड़े का नाम क्या था ?

(क) घोड़े का नाम सुलतान था ।

प्रश्न 3- गाँव के बाहर एक छोटे से मंदिर में कौन रहता था?

(क) गाँव के बाहर एक छोटे से मंदिर में बाबा भारती रहते थे।

प्रश्न 4 - किसकी कीर्ति खड्गसिंह के कानों तक पहुँची ?

उत्तर- सुलतान की कीर्ति खड्गसिंह के कानों तक पहुँची ।

प्रश्न 5 - खड्गसिंह कौन था?

उत्तर- खड्गसिंह डाकू था ।

प्रश्न 6-'हिनहिनाना' किसकी आवाज़ है?

उत्तर- हिनहिनाना' घोड़े की आवाज़ है

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 - बाबा भारती कहाँ रहते थे? वहाँ क्या करते थे?

उत्तर-बाबा भारती गाँव से बाहर एक छोटे से मंदिर में रहते थे। वहीं भगवान का भजन किया करते थे।

प्रश्न 2- घोड़े के बारे में किसे पता चला? वह कैसा आदमी था ?

उत्तर- घोड़े के बारे में खड्गसिंह को पता चला। वह इलाके का प्रसिद्ध डाकू था। लोग उसका नाम सुनकर काँपते थे।

प्रश्न 3 - बाबा भारती ने डाकू खड्गसिंह से कौन-सा वचन लिया?

उत्तर - बाबा भारती ने डाकू खड्गसिंह से यह वचन लिया कि इस घटना को वह किसी के सामने प्रकट न करेगा।

प्रश्न 4 - घोड़े को देखकर बाबा भारती की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर - बाबा भारती आश्चर्य और प्रसन्नता से दौड़ते हुए अंदर घुसे और अपने घोड़े के गले से लिपटकर इस प्रकार रोने लगे मानो कोई पिता बहुत दिन से बिछड़े पुत्र से मिल रहा हो।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 -बाबा भारती घोड़े की किस प्रकार सेवा करते थे ?

उत्तर - बाबा भारती का भगवद्-भजन के बाद जो समय बचता, वह घोड़े की सेवा में अर्पण हो जाता। वे रोजाना अपने हाथ से खरहरा करते खुद दाना खिलाते थे। वे ऐसी लगन और प्यार से अपने सुलतान घोड़े की देखभाल करते थे कि मानो वह उनका प्रियजन हो। उन्हें रुपया, माल , जमीन तथा सुखमय जीवन से भी घृणा थी। वे गाँव के बाहर एक छोटे मंदिर में रहते थे।

प्रश्न 2 -घोड़े सुलतान को देखकर बाबा भारती को कैसे आनंद की प्राप्ति होती थी ?

उत्तर- बाबा भारती को अपने घोड़े सुलतान को देखकर बड़ा आनंद मिलता था। जैसे माँ को अपने बेटे को देखकर, साहूकार को अपने देनदार और किसान को अपने लहलहाते खेत को देखकर आनंद आता है, उसी प्रकार बाबा भारती को अपने घोड़े को देखकर आनंद मिलता था। वे सुलतान के बिना एक क्षण भी नहीं रह सकते थे।

शब्दार्थः

अर्पण- भेंटकरना to present , to offer to dedicate।

घृणा-नफरत hatred , aversion।

कीर्ति – यश fame , glory

छवि – शक्ल, सुंदरता image ,beauty , grace

अभिलाषा–इच्छा desire ,longng

बाँका-सुंदर,स्वस्थ्य a smart or modish

अस्तबल–घोड़े बाँधने का स्थान stable

मिथ्या-झूठ a lie ,falsehood

करुणा–दया to show mercy or kindness

अपाहिज-विकलांग a disabled person

प्रकट- उपस्थित बताना evident , displayed ,revealed

` प्रयोजन-उद्देश्य motive, purpose

बाग- लगाम rein

स्वप्न- सपना dream

व्याकरण भाग -

प्रश्न -1 - दिए गए वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँट कर लिखिए।

1 – वह कक्षा छह का छात्र हूँ। (वह)

2 – उसने गृहकार्य कर लिया है । (उसने)

3 – आप बाहर क्यों खड़े थे ? (आप,क्यों)

4 – यह राधा तथा मोहन का घर है। (यह)

5 – शायद घर के अंदर कोई है। (कोई)

6 – उसकी आँख में कुछ गिर गया था। ` (उसकी ,कुछ)

7 – जैसी करनी, वैसी भरनी। (जैसी, वैसी

8 – जैसा बोओगे, वैसा काटोगे। (जैसा,वैसा)

9 – आज खाने में क्या बनाया है? (क्या)

10 – वह सदा सच्च बोलता है| (वह)

प्रश्न -2 - निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए।

I	बहुत	–	थोड़ा
2 -	राजा	–	रंक
3 -	आशा	–	निराशा
4 -	मानव	–	दानव
5 -	दुख	–	सुख
6 -	शुद्ध	–	अशुद्ध
7 -	हार	–	जीत
8 -	पास	–	दूर
9 -	ऊपर	–	नीचे
10 -	सुबह	–	शाम

प्रश्न - 3 - दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए।

1- सत्य बोलने वाला -	सत्यवादी
2- जो कभी बूढा न हो-	अजर
3- जो काम से जी चुराता हो -	कामचोर
4- जो मेहनत करता है-	मेहनती
5- दया करनेवाला-	दयालु

6- जिसका आकार हो-		साकार